



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 2—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 381

नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 31, 1977/अ द्र 9, 1899

No. 381 NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 31, 1977/BHADI A 9, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilation

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(Office of the Controller of Capital Issues)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 31st August 1977

S.O. 645(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the Capital Issues (Control) Act, 1947 (29 of 1947), the Central Government hereby makes the following order further to amend the Capital Issues (Exemption) Order, 1969 namely:—

1. (i) This order may be called the Capital Issues (Exemption) Amendment Order, 1977

(ii) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

2 In clause 4 of the said order, in sub-clause (iv), after the words "The Life Insurance Corporation of India," the words "The General Insurance Corporation of India and its subsidiaries namely, the National Insurance Company Limited, the New India Assurance Company Ltd., the Oriental Fire and General Insurance Company Limited and the United India Fire and General Insurance Company Limited," shall be inserted.

[No S 3(6)-CCI(II)/77]

A. V. GANESAN, Jt. Secy.

## वित्त मंत्रालय

## (आर्थिक कार्य विभाग)

## (पंजी निर्गम नियंत्रक का कार्यालय)

## अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 1977

का० आ० 645(अ) ---पंजी निर्गमन (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का '29) की धारा 6 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा, पंजी निर्गम (कूट) आदेश 1969 को आगे संपादनधित करने के लिए निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात् :—

1. (i) इस आदेश को पंजी निर्गम (कूट) संशोधन आदेश, 1977 कहा जाएगा।

(ii) यह आदेश इसके राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू होगा।

2. उक्त आदेश के खंड 4 में, उप-खंड (iv) में “भारतीय जीवन बीमा निगम” शब्दों के बाद “भारतीय साधारण बीमा निगम और उसकी सहायक कम्पनिया, अर्थात्, नेशनल इन्श्योरेंस कम्पनी लिमिटेड, न्यू इंडिया एण्योरेंस कम्पनी लिमिटेड, आंग्लो-इण्डियन फायर एण्ड जनरल इन्श्योरेंस कम्पनी लिमिटेड और यूनाइटेड इंडिया फायर एण्ड जनरल इन्श्योरेंस कम्पनी लिमिटेड” शब्द जोड़े जायेंगे।

[स० एम० 3(6)--सी० सी० आई० (II)/77]

ए० बी० गणेशन, सयुक्त सचिव।